लइकन खातिर बाइबिल प्रस्तुति
प्रस्तुतकर्ता

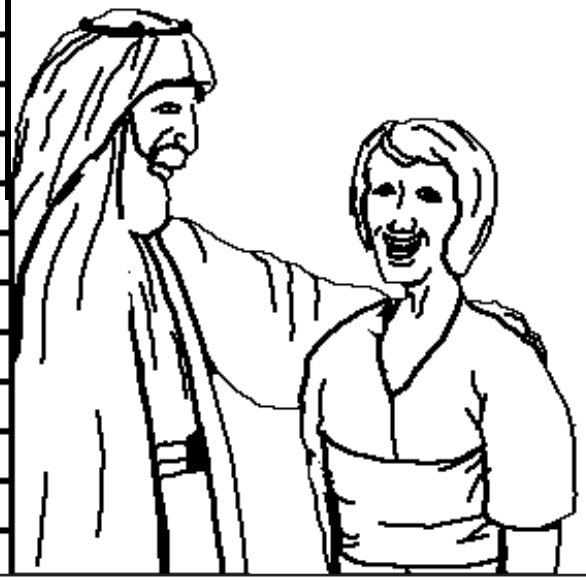

एगो प्रिय लइका क एगो दास बनल

लेखक: Edward Hughes

ब्याख्याकर: Byron Unger; Lazarus

अनुवादकः सुरेश मसीह

अनुकूलित: M. Kerr; Sarah S.

कहानी 7 से 60

www.M1914.org

Bible for Children. *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*

अनुज्ञापत्रः आप ए कहानीन क छाया प्रति मुद्रण करा सकीं ला बशर्ते की आप ओके बेचब ना।

Bhojpuri

इसहाक बहुत खुश रहलन। उनकर लइका याकूब ही उनकी खातिर सबकुछ रहे। इहाँ तक कि एसाव अपनी भाई क स्वागत कइलन जेके उ एक बार जान से मारला क कसम खईले रहलन। लेकिन याकूब क लइका खुश ना रहलें; काँहे से कि यूसुफ, उनकर छोटका भाई, बाबूजी क बेहद प्रिय रहलन।

यूसुफ, जब अपनी सपना के उन सबके बतवलन तब उनकर भाई लोग उनसे अउर अधिक क्रोधित हो गोइलें। यूसुफ कहलन, "अनाज क हमार पूला लमहर खड़ा रहलन अउर हमरी भइयन क पूलवन क ढेर ओकरी सम्मान में झुकत रहली सअ।" ए सपना क मतलब ई रहलन कि यूसुफ अपनी भइयन से अधिक महान हो जइहन।

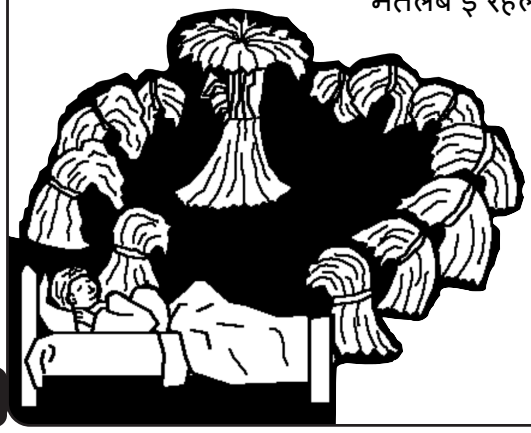

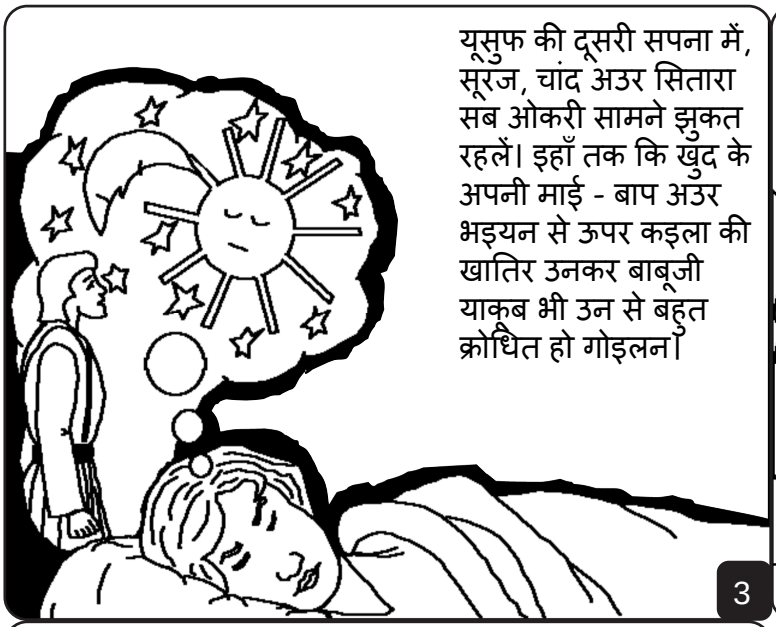

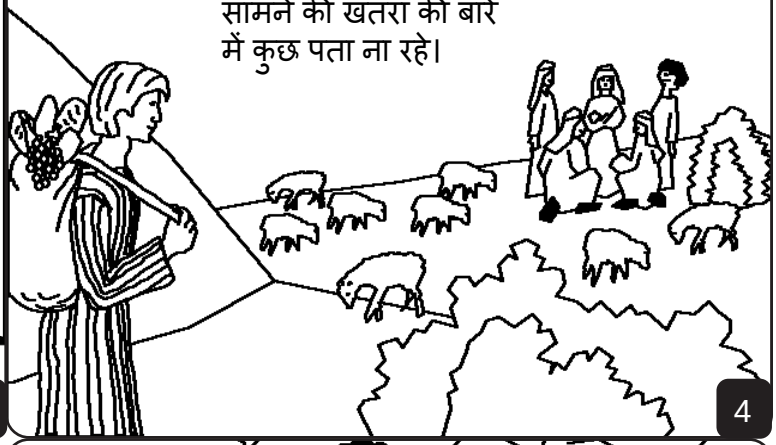

यूसुफ की दूसरी सपना में, सूरज, चांद अउर सितारा सब ओकरी सामने झुकत रहलें। इहाँ तक कि खुद के अपनी माई - बाप अउर भइयन से ऊपर कइला की खातिर उनकर बाबूजी याकूब भी उन से बहुत क्रोधित हो गोइलन।
3
एक दिन याकूब, यूसुफ के ओकरी भइयन की पास चारागाह में भेजलें, जहाँ उ सब अपनी भेड़न के चरावत रहलें। भईयन सब ओके अपनी ओर आवत देख के, धीरे धीरे बोललें, "चलअ ए सपना देखनहारा के मार डालल जा।" यूसुफ के ओकरी सामने की खतरा की बारे में कुछ पता ना रहे।
4
रूबेन सबसे बड़का भाई असहमति जतवलन। उ कहलन,"हमनी के खून ना बहावे के चाहीं।" देखजा, "इहाँ एगो गड्हा बा।" ओ के ऊहवें मरे दिहल जा! रूबेन, "संध्या होखला पर यूसुफ के बचवला की खातिर एगो योजना बनवलन।"
5
जब यूसुफ उहाँ पहुंचलन, उनकर भाँई लोग उनके झट पकड़ लिहलन, अउर रंग बिरंगा विशेष कोट जेवन याकूब अपनी प्रिय बेटा खातिर बनवले रहलन, ओ के उतार दिहलन लोग। तब उ लोग यूसुफ के ओ भयानक गड्हा में फेंक दिहलन।
6
रूबेन की अनुपस्थित में ऊंटन क एगो कारवां दूर मिस्र देश की खातिर अपनी रास्ता पर नजदीक से होके गुजरत रहल।
7
"यूसुफ के बेच दीहल जा," यहूदा, उनकर भाई गिड़गिड़ा के कहलन। सौदा तय हो गोइल। उ सब चांदी की बीस टुकड़न की खातिर यूसुफ के बेच दिहलें।
8

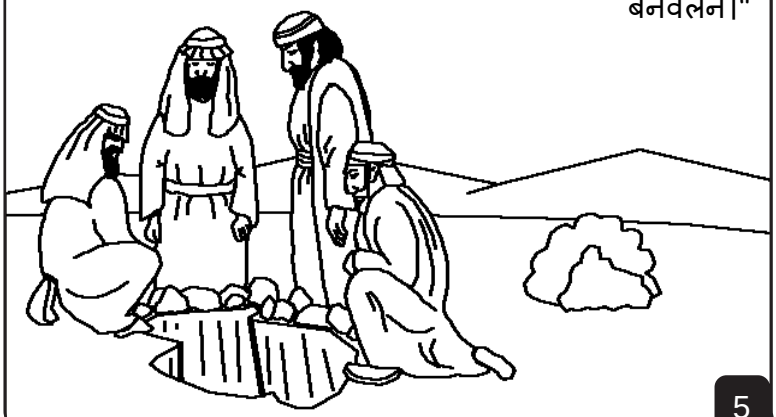

लड़खड़ात ऊंट ओके अपनी परिवार अउर मातृभूमि से दूर ले जाये लगलन; लेकिन यूसुफ शोकाकुल, भयभीत अउर असहाय होके भीगल आखियन से देखत रहलन।

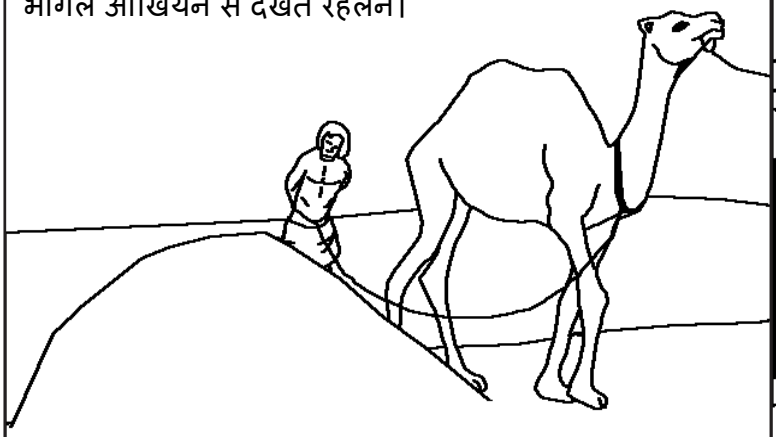

9

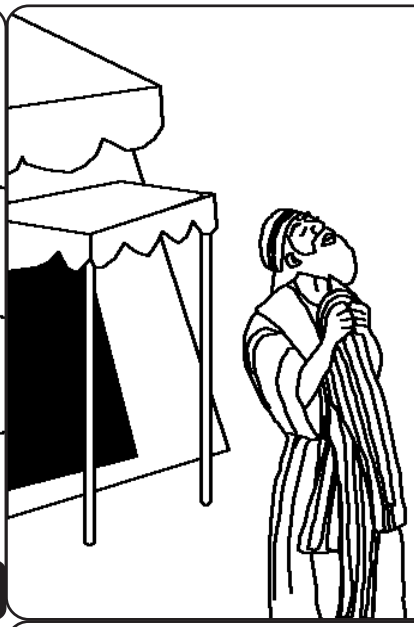

"का, ई यूसुफ क कोट ह? ई त खून से भर गइल बा। हमनी क एके रेगिस्तान में पवलीं हँ जा।" क्रूर भाई लोग याकूब के विश्वास करावे खातिर बहकवलन कि ओकरी प्रिय लइका के कवनो जंगली जानवर मार डलले होइ। याकूब अपनी कपड़ा के फड़लें अउर विलखे लगलें। केहु भी उनके शान्त्वना ना दे पावल।

10

मिस्र में, यूसुफ भयभीत अउर अकेला महसूस कइले होइहन। शायद उ अपनी घर की खातिर तरसत रहल होइहन। लेकिन उ उहां से बच ना पवलन। उ मिस्र में पोतीपर नाम की एगो महत्वपूर्ण ब्यक्ति की घर में एगो दास बन गोइलन। पोतीपर जब इ देखलन कि यूसुफ हमेशा कठिन मेहनत करेलन अउर उन पर भरोसा भी कइल जा सकेला।

11

पोतीपर एक दिन यूसुफ से कहलन, "तू जेवन कुछ भी करे लअ उ हमेशा सब बढ़ियाँ ही होला। परमेश्वर तोहरी साथ बाड़न। हम तोहके आपन मुख्य सेवक बनावल चाहत बानी, अबसे तू हमरी सब काम धाम क प्रभारी अउर सब अन्य नौकरन क मालिक रहअ बअ।"

12

यूसुफ की कारन परमेश्वर पोतीपर के बढ़ियाँ फसल अउर बिभिन्न धन दौलत दिहलन। अब यूसुफ एगो महत्वपूर्ण आदमी रहलन, तौ भी उ भरोसा अउर ईमानदारी से परमेश्वर क सेवा कइलन। लेकिन यूसुफ की खातिर एगो फिर दिक्कत आईल।

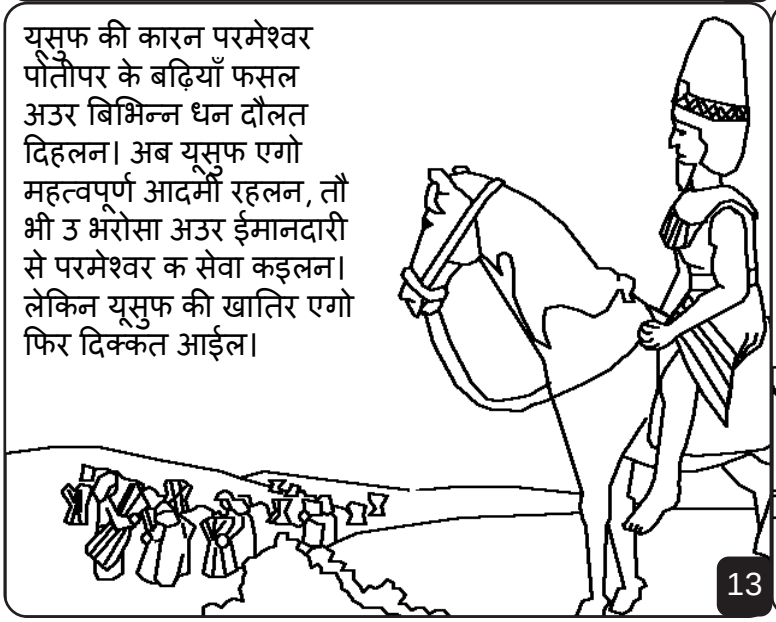

13

पोतीपर क मेहरारू एगो दुष्ट औरत रहल। उ अपनी पति की जगह लेबे की खातिर यूसुफ के कहलस। यूसुफ ओ के इनकार कर दिहलन। उ पोतीपर की बिरुद्ध गलत करके परमेश्वर की खिलाफ पाप करल ना चाहत रहलन।

14

जब उ मेहरारू उनके मजबूर करे क कोशिश कइलस, तब यूशुफ उहाँ से भाग गोइलन। लेकिन उ उनकरी कोट के पकड़, अपनी पास रख लिहलस।

15

पोतीपर क पत्नी शिकायत कइली कि,"आपकअ दास हमरी पर हमला कइलन हअ।" देखीं "ईहाँ ओकर कोट बा!" पोतीपर खिसियईलन। हो सके ला, उनके पता रहलन कि उनकर मेहरारू झूठ बोलत रहली। लेकिन उनके कुछ करहीं के पड़ी। उ का करे वाला रहलन?

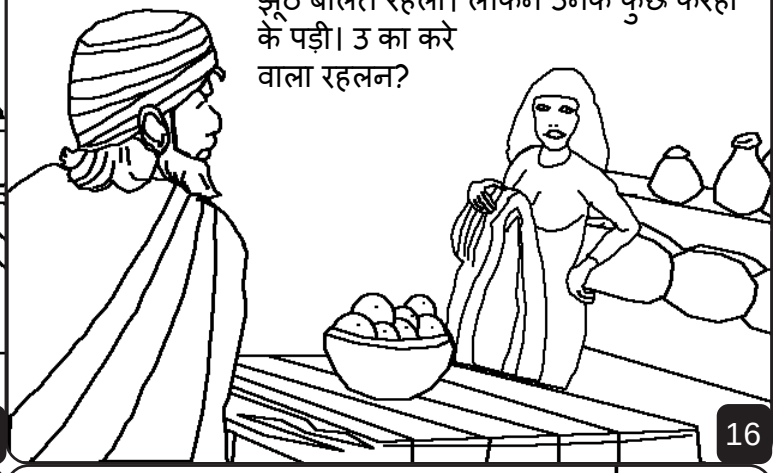

16

पोतीपर यूसुफ के जेल में डाल दिहलन। जबकि उ निर्दोष रहलन, तौ भी यूसुफ कड़वाहट में या खिसियाइल ना रहलन।

17

शायद उ ओ परेशानी से सीखत रहलन, कि यदि उ परमेश्वर के सम्मान दीहन त परमेश्वर भी उनके सम्मानित करिहन, ई मायने ना रखे ला कि उ कहाँ बाड़न - उ जेल में भी काहें ना रहें।

18

एगो प्रिय लइका क एगो दास बनल

पबितर बाइबिल, परमेश्वर की वचन में से ई कहानी लीहल गइल बा

उत्पत्ति 37, उत्पत्ति 39

"तोहरी बातन की खुलला से उजियार होला"
भजन संहिता 119:130

ईश्वर जानेलन कि हमनी के बुरा करम कइले बानी जा जेकरा के उ पाप कहेलन । पाप के दण्ड मौत ह।

ईश्वर हमनी के एतना प्यार करेलन कि उ आपना एक मात्र बेटा यीशु के धरती पर भेजलन कि उ क्रूस पर मर जास आ हमनी के पाप के दण्ड अपने चुकावसु । यीशु जीगइलन आ परलोक गइलन । अब ईश्वर हमनी के पाप क्षमा कर सकेलन ।

यदि रउआ भी अपना पाप से दूर होखल चाहतानी ईश्वर से इ बात कहीं : हे प्रियवर यीशु हम विश्वास करीना कि यीशु हमनी खातीर मर गइलन आ अब जीवित बाडन । मेहरबानी करके रउअ ा हमरा जीवन मे आ जाईं अउर हमरा पाप के क्षमा दीही ताकि हमरा के नया जीवन मिल सको । अउर हम हमेशा रउरा संगे रह सकी । हमरा के रउआ मदद करी कि हम राउर बच्चा के तरह रउरा खातीर जी सकी आमीन ।

हमनी के बाइबिल पढीजा आ रोज दिन ईश्वर से बात करीजा !